www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Civil Services (Main)
Examination, 2026

वियोज्य DETACHABLE

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र II)

PHILOSOPHY (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे	*अधिकतम अंक : 250*
Time Allowed : Three Hours	*Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

Prepp
Your Personal Exams Guide

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : 10×5

1.(a) रॉल्स क्यों न्याय के दो सिद्धान्तों को कोशीय क्रम में प्रयुक्त करना आवश्यक समझते हैं ? व्याख्या कीजिए ।
Why does Rawls consider it necessary that the two principles of justice be applied in lexical order ? Explain. 10

1.(b) क्या प्लेटो के आदर्श राज्य की परिकल्पना की नागरिक विशेष के अधिकारों एवं स्वतंत्रताओं के साथ संगतता है ? विवेचना कीजिए ।
Is Plato's vision of an ideal state compatible with the rights and liberties of individual citizens ? Discuss. 10

1.(c) अराजकतावाद अपने आप में एक स्वतंत्र राजनीतिक विचारधारा नहीं है, बल्कि यह एक ओर स्वतंत्रतावाद एवं दूसरी ओर समाजवाद से प्रेरित है । विश्लेषण कीजिए ।
Anarchism is not an independent political ideology in itself, rather it is inspired by liberalism on the one hand and socialism on the other. Analyze. 10

1.(d) किन आधारों पर मार्क्सवाद विशुद्ध लोकतंत्र की आलोचना करता है ?
On what grounds does Marxism criticize pure democracy ? 10

1.(e) मूल्य आधारित शिक्षा किस प्रकार भ्रष्टाचार की समस्या को संबोधित करती है ?
How does value based education address the problem of corruption ? 10

2.(a) सम्प्रभुता के संदर्भ में कौटिल्य के राजमण्डल के सिद्धान्त के महत्व का मूल्यांकन कीजिए ।
Evaluate the importance of Kautilya's theory of Rajamandala in the context of sovereignty. 20

2.(b) क्या महिलाओं को भूमि एवं संपत्ति अधिकार प्रदान करना लिंगों के बीच सामाजिक समानता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक शर्त अथवा पर्याप्त शर्त अथवा दोनों हैं ? विवेचना कीजिए ।
Does providing land and property rights to women constitute a necessary condition or a sufficient condition or both for ensuring social equality among the genders ? Discuss. 15

2.(c) समूह अधिकारों एवं व्यक्तिगत अधिकारों के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन स्थापित करने में बहुसांस्कृतिक समाज द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का परीक्षण कीजिए ।
Examine the challenges faced by a multicultural society in creating a harmonious balance between group rights and individual rights. 15

3.(a) प्रतिकारात्मकतावाद मृत्युदण्ड के लिए परिणाम निरपेक्ष औचित्य प्रस्तुत करता है, जबकि निवारण इसके लिए परिणाम सापेक्ष औचित्य प्रदान करता है । व्याख्या कीजिए ।
Retributivism presents a deontological justification for capital punishment, whereas deterrence presents a consequential justification for it. Explain. 20

3.(b) "राज्य की संरचना के दो परस्पर विरोधी विचार – राजतंत्र एवं प्रजातंत्र, दोनों ही तानाशाही के कुछ लक्षण सामान्य रूप से साझा करते हैं" । क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क तथा प्रमाण प्रस्तुत कीजिए ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

"The two antagonistic state structures – monarchy and democracy, both share some common features with dictatorship". Do you agree with this view ? Give reasons and justifications for your answer. 15

3.(c) नकारात्मक स्वतंत्रता परम व्यक्तिगत स्वतंत्रता के विचार को अवतरित करती प्रतीत होती है, जबकि सकारात्मक स्वतंत्रता व्यक्तियों को उनके समग्र क्षमता को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। विवेचना कीजिए।

Negative liberty seems to embody the idea of ultimate personal freedom, whereas positive liberty enables individuals to achieve their full potential. Discuss. 15

4.(a) किस प्रकार अंबेडकर ने 'सामाजिक अंत:सरण' की अवधारणा को जाति निवारण के लिए प्रयुक्त किया है ? पहचान एवं भेद की राजनीति पर समकालीन वाद-विवाद में इसकी प्रासंगिकता का मूल्यांकन कीजिए।

How has Ambedkar applied the concept of 'Social Endosmosis' for annihilation of castes. Evaluate its relevance for contemporary debates on identity and the politics of difference. 20

4.(b) संप्रभुता के एकत्ववादी एवं बहुलवादी दृष्टिकोणों के बीच अंतर्विरोध की व्याख्या कीजिए।

Explain the contrast between the monistic and pluralistic approaches to sovereignty. 15

4.(c) प्रजातंत्र एवं विकास के संबंध का परीक्षण कीजिए। क्या प्रजातंत्र विकास को उन्नत करता है या बाधित करता है ?

Examine the relationship between democracy and development. Does democracy promote or hinder development ? 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : 10×5

5.(a) विलियम जेम्स किन आधारों पर रहस्यवादी अवस्थाओं को धार्मिक अनुभव की वास्तविक अभिव्यक्ति के रूप में वर्णित करते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

On what grounds does William James characterize mystical states as a genuine expression of religious experience ? Elaborate. 10

5.(b) एक्विनास द्वारा ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए दिए गये जगत की आपातिकता पर आधारित तर्क की विवेचना कीजिए।

Discuss Aquinas' argument from the contingency of the world to prove the existence of God. 10

5.(c) किस प्रकार पॉल टिलिच का परम सरोकार के रूप में आस्था का विचार, आस्था, संदेह एवं तर्क के बीच संबंध को संबोधित करता है ? मूल्यांकन कीजिए।

How does Paul Tillich's idea of faith as ultimate concern address the relation between faith, doubt and reason ? Evaluate. 10

5.(d) धार्मिक भाषा के स्वरूप पर आर. बी. ब्रेथवेट के विचारों की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Critically discuss the views of R. B. Braithwaite on the nature of religious language. 10

www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

5.(e) "यदि धर्म केवल तर्क का विषय होता तो वह आनुभाविक विवरण से रहित होता।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

"If religion were a subject of reason alone, it would have lacked an experiential account." Do you agree with this statement ? Give reasons in support of your answer. 10

6.(a) किस अर्थ में संत अगस्टाईन द्वारा पाप या पाप के दंड के रूप में सभी अशुभों का तादात्म्य नैतिक एवं प्राकृतिक अशुभ में सुसंगतता प्रदान करने में सफल या असफल है। मूल्यांकन कीजिए।

In what sense does St. Augustine's identification of all evil as either sin or as the punishment of sin succeed or fail in providing a coherent account of both moral and natural evil ? Evaluate. 20

6.(b) नैतिक स्वायत्तता का मुद्दा किस प्रकार धर्म की नैतिकता के स्रोत के रूप में अवधारणा से विवादित होता है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

How does the issue of moral autonomy conflict with conception of religion as a source of morality ? Critically discuss. 15

6.(c) क्या धार्मिक बहुलवाद के सम्प्रत्यय में नैतिक सापेक्षवाद अनिवार्य रूप से अनुलागित है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Does the idea of Religious Pluralism necessarily entail moral relativism ? Critically discuss. 15

7.(a) आर. एम. हेयर की 'ब्लिक' की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। क्या यह सफलतापूर्वक धार्मिक भाषा की अर्थवत्ता को संरक्षित करता है, इसका आकलन कीजिए।

Analyse R. M. Hare's concept of 'blik' and assess whether it successfully defends the meaningfulness of religious language. 20

7.(b) ईश्वर की वैयक्तिकीय तथा गैर वैयक्तिकीय अवधारणाओं के विभेद की भक्ति के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

Discuss the difference between personalistic and impersonalistic notions of God in the context of devotion. 15

7.(c) क्या विभिन्न धर्मों के बीच परस्पर विरोधी सत्य के दावों को धार्मिक बहुलवादी ढांचे के भीतर समन्वित किया जा सकता है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

Can conflicting truth claims among religions be reconciled within the framework of religious pluralism ? Critically discuss. 15

8.(a) धर्म और नैतिकता के बीच अंतर्संबंध के संदर्भ में गांधी के 'ईश्वर ही सत्य है' से 'सत्य ही ईश्वर है' के मत में आए परिवर्तन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate the shift in Gandhi's view from 'God is Truth' to 'Truth is God', in the context of interrelation between religion and morality. 20

8.(b) मध्वाचार्य द्वारा प्रतिपादित ईश्वर के अस्तित्व के लिए दिए गये तर्कों की व्याख्या एवं परीक्षण कीजिए।

Explain and examine Madhvacharya's arguments for the existence of God. 15

8.(c) ईश्वर के गुणों के रूप में सर्वज्ञता तथा सर्वशक्तिमत्ता की समालोचनाओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

Present an account of criticisms against omniscience and omnipotence as attributes of God. 15